## दिनांक 1 दिसम्बर, 1987

संख्या ब्रो॰ यि : /एफडी/139-87/42463. चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राम है कि मैं • मूद एण्ड वारंत प्रा॰ लि • , ज्लाट नं • 72, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री राजवंश पाण्डे, पूत्र श्री ब्रिनिस्द पाण्डे, पटेल नगर मैक्टर 24, दुर्गा मन्दिर के पास, फरीदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ब्रीयोगिक विवाद है;

भीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना बांछ नीय समझते हैं ;

इसलिये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम. 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रीधिनियम की धारा 7-क के प्रश्नीन गठित श्रौद्योगिक श्रीधकरण, हरियाणा, करीदाबाद, को नीचे जिनिदिष्ट सामलें जोकि उक्त प्रदन्धकों तथा श्रीमकों के दीच था तो विशादग्रस्त मामला/मामले है भयवा विवाद से सुसंगत था समयन्धिन मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 माम में देने हत निदिष्ट करते हैं:—

नया श्री राजवंश पाण्डे की सेवाम्रो का ममापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० मो० वि०/एफडी/169-87/47859.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) मुख्य प्रजासक, हुड़ा, पंच हुवा (हरियाणा), (2) कार्य कारों मिन्नवन्ता, हुड़ा वटटर सप्लाई म्रनुभाग मय-डिविजन नं० 1, मैक्टर 15, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री मूर्नी एम, पुन्न श्री रही राम, मार्फत पुरनानन्द, मकान नं० 1014, बाबा तगर, नजदीक तालाद रोड़, मोल्ड फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई मौद्योगिक विवाद है;

धौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रंब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947, की घारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई मन्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त ग्रधिनियम की घारा 7 क के ग्रधीन गठित भौद्योगिक ग्रधिकरण, हरियाणा, फरीदावाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं, न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री मूर्ती राम की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

स॰ ग्रो०वि॰/एफडी/168-87/47867.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राग्र है कि (1) मुख्य प्रशासक हुडा (हरियाणा), पंचक्ता, (2) कार्यकारी अभियन्ता, हुडा/बाटर सप्लाई अनुभाग सब डिविजन नं० 1, मैक्टर 15, फरीबाबाद, के श्रमिक श्री समुद्ध सिंह, पुत्र श्री रनवीर सिंह, मार्फत पुरनानन्द, मकान नं० 1014, बावा नगर नजदीक तालाय रोड, श्रोहड फरीबाबाद सथा प्रबन्धकों के मध्य दसमें इस है बाद लिजिन मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीबोगिक विवाद है ;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रीचोगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की घारा 10 की उप धारा (1) के खण्ड (घ) हारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रीधिनियम की घारा 7-क के ग्रधीन गठित ग्रीघोगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धिट मामले जो कि उक्त प्रवन्धक तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से मुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री समुद्ध सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हुकदार है ?

> ग्रार० एस० ग्रग्नवाल, उप-सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग ।